परिशिष्ट सारणी IV.14: सूक्ष्म वित्त कार्यक्रमों की प्रगति

(मार्च के अंत में)

मद	स्वयं सहायता समूह											
	संख्या (लाख में)						राशि (₹ करोड़ में)					
	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21	2021-22	2022-23	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21	2021-22	2022-23
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
बैंकों द्वारा संवितरित ऋण (वित्तीय वर्ष के दौरान)	23 (14)	27 (18)	31 (22)	29 (17)	34 (25)	43 (37)	47,186 (27,479)	58,318 (36,818)	77,659 (55,590)	58,071 (31,755)	99,729 (68,917)	1,45,200 (1,25,106)
बैंकों का बकाया ऋण	50 (31)	51 (35)	57 (40)	58 (36)	67 (48)	70 (59)	75,598 (43,576)	87,098 (58,432)	1,08,075 (73,184)	1,03,289 (61,393)	1,51,051 (1,01,840)	1,88,079 (1,61,584)
बैंकों के पास बचत	87 (46)	100 (60)	102 (63)	112 (70)	119 (78)	134 (89)	19,592 (11,785)	23,324 (14,482)	26,152 (15,836)	37,477 (21,308)	47,240 (31,077)	58,893 (40,972)
	सूक्ष्म वित्त संस्थाएं											
	संख्या (लाख में)						राशि (₹ करोड़ में)					
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
बैंकों द्वारा संवितरित ऋण	0.02	0.02	0.05	0.29	0.25	0.8	22,228	13,721	19,133	12,120	23,173	36,757
बैंकों का बकाया ऋण	0.05	0.05	0.15	0.61	0.59	1.06	26,172	16,045	27,256	21,063	34,865	44,120
	संयुक्त देयता समूह											
	संख्या (लाख में)						राशि (₹ करोड़ में)					
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
बैंकों द्वारा संवितरित ऋण (वित्तीय वर्ष के दौरान)	10	16	42	41	54	70	13,955	30,947	83,103	58,312	1,12,773	1,33,373

टिप्पणियां: 1. कोष्ठकों में दिए गए आंकड़े क्रमशः 2017-18, 2018-19, 2019-20, 2020-21, 2021-22 और 2022-23 के लिए राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) और राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (एनयूएलएम) के तहत शामिल एसएचजी का विवरण देते हैं।

2. बैंकों से ऋण लेने वाले एमएफआई की वास्तविक संख्या खातों की संख्या से कम होगी, क्योंकि अधिकांश एमएफआई एक ही बैंक से कई बार और एकाधिक बैंकों से भी ऋण लेते हैं।

स्रोत: नाबार्ड।